हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

जनवीणा

WWW.JANVEENA.COM

स्वर जन-मन का...

वर्ष : 12 | अंक : 19 | लखनऊ, 21 अप्रैल, 2023 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रूपये

कानून व्यवस्था और विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी बीजेपी:योगी

गोरखपुर (यूएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को दो दिनों के दौरे पर गोरखपुर पहुंचे। सीएम ने यहां निकाय चुनाव में गोरखपुर नगर निगम समेत मंडल की 7 नगर पालिका और 44 नगर पंचायतों के चुनाव में बीजेपी का परचम फहराने के लिए एक के बाद एक 5 बैठकें कीं। इनमें से जिलेवार चार बैठक पार्टी के क्षेत्रीय कार्यालय रानीडीहा में हुई जबकि गोरखपुर नगर निगम क्षेत्र की बैठक सिविल लाइंस स्थित आशीष मैरेज हाल (गोरखपुर क्लब परिसर) में हुई। सभी बैठकों में सीएम योगी ने अब तक हुई चुनावी तैयारियों का हाल जाना और जीत के लिए जरूरी टिप्स दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे पास कानून व्यवस्था और विकास का बेहद मजबूत आधार है। भाजपा इसी मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी। इसलिए सिर्फहर निकाय प्रमुख पद पर ही जीत दर्ज करने पर ही केंद्रित नहीं होना है बल्कि सभी निकायों में भाजपा के स्पष्ट बहुमत का बोर्ड बनवाने पर भी गंभीरता से ध्यान देना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निकाय चुनाव के लिए भी भाजपा संकल्प पत्र जारी करेगी। उन्होंने सभी भाजपा प्रत्याशियों को विजय हासिल करने की शुभकामनाएं भी दीं।दोपहर एक बजे से शुरू बैठकों की श्रृंखला में मुख्यमंत्री ने एक-एक घण्टे कुशीनगर, महराजगंज, देवरिया और गोरखपुर जिलों के नगर निकायों में अब तक हुई चुनावी तैयारियों की जिलेवार चुनाव संचालन समिति के लोगों विस्तार से जानकारी ली। ये सभी बैठकें भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय पर हुईं। इन बैठकों के बाद सीएम आशीष मैरेज हाल में पांचवीं बैठक करने पहुंचे। यह बैठक गोरखपुर नगर निगम चुनाव पर केंद्रित रही। बैठकों में प्रत्याशियों और प्रमुख कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेने के बाद सीएम योगी ने कहा कि इस बार के नगर निकाय चुनाव में आपके साथ भाजपा की डबल इंजन सरकार की ताकत है। इस चुनाव में एक और इंजन जोड़कर हर निकाय क्षेत्र में ट्रिपल इंजन सरकार का गठन करना है। जन संवाद स्थापित कर सरकार की उपलब्धियों को परिणाम में परिलक्षित करने की जिम्मेदारी से हर एक कार्यकर्ता को जुड़ना होगा। बैठकों में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि चुनाव में मजबूत कानून व्यवस्था और बिना भेदभाव विकास, जनकल्याण ही मुद्दा होगा। हमें सिर्फइस पर ही ध्यान देना है। सुरक्षा के माहौल में खूब विकास हो रहा है और सभी पात्रों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। यह जनता खुद देख रही है। कानून व्यवस्था और विकास के मुद्दे के साथ जनता के बीच बने रहना है। सीएम योगी ने कहा कि चुनाव के दौरान लोगों को यह बताएं कि केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार ने क्या किया है और क्या कर रही है? यह संदेश स्पष्ट होना चाहिए कि कमल निशान जीतेगा तो और विकास लेकर आएगा। एक-एक योजना की उपलब्धि सब तक पहुंचनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में मौजूद लोगों में जोश भरते हुए कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव में गोरखपुर मंडल का परिणाम करीब शत प्रतिशत रहा। कार्यकर्ताओं के परिश्रम और केंद्र व प्रदेश सरकार के कार्यों के बल पर अब निकाय चुनाव में भी इसी तरह का परिणाम आएगा। हर निकाय में चेयरमैन और बहुमत का बोर्ड भी भाजपा का बनाना है। जनहित में ऐसा होना जरूरी भी है। इसलिए सभी को बिना रुके, बिना थके, बिना डिगे सतत अपने लक्ष्य के प्रति आगे बढ़ते रहना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नगर निकाय चुनाव की तैयारी बैठकों का क्रम आज गोरखपुर मंडल से शुरू हुआ है। यहां प्रथम चरण में 4 मई को मतदान होना है। इसके मद्देजर हमें तेजी दिखानी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा निकाय क्षेत्र की जनता अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव महसूस कर रही है। हम सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी बनती है कि हम अपने-अपने क्षेत्र में हर मतदाता को मतदान के लिए प्रेरित करें। चुनाव प्रचार के साथ ही मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने का अभियान भी सतत चलते रहना चाहिए। अधिकाधिक मतदान लोकतंत्र की समृद्धि के लिए भी आवश्यक है। गर्मी होने के बावजूद मतदान प्रतिशत बढ़ने में कोई चूक नहीं होनी चाहिए। सीएम योगी ने चुनाव में जीत का फॉर्मूला समझाते हुए जनसंपर्क और संवाद पर विशेष जोर

चीन को पछाड़ कर भारत बना सबसे अधिक आबादी वाला देश: यूएन रिपोर्ट

नयी दिल्ली। भारत दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया है। यह अब चीन से आगे निकल गया है। बुधवार को जारी संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की एक नई रिपोर्ट के आंकड़ों से ये जानकारी सामने आई है। यूएनएफपीए की द स्टेट ऑफवर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट 2023 के अनुसार, भारत की जनसंख्या 1,428.6 मिलियन (142.86 करोड़) तक पहुंच गई है, जबकि चीन की 1,425.7 मिलियन (142.57 करोड़) है, यानि कि 2.9 मिलियन यानि 29 लाख का अंतर है। संयुक्त राष्ट्र ने 2022 में ही भारत के सबसे अधिक आबादी वाले देश बनने का अनुमान लगाया था। इसके अलावा, यूएनएफपीए की नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 25 प्रतिशत जनसंख्या 0-14 आयु वर्ग की है, 18 प्रतिशत 10-19 वर्ष की आयु की, 26 प्रतिशत 10-24 आयु वर्ग की। लगभग 68 प्रतिशत जनसंख्या 15-64 आयु वर्ग में हैं, जबकि 65 से ऊपर के लोग सिर्फ7 प्रतिशत हैं। चीन जीवन प्रत्याशा के मामले में भारत से बेहतर कर रहा है, जो महिलाओं के मामले में 82 और पुरुषों के मामले में 76 साल है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के लिए यह आंकड़ा 74 और 71 है। यूएनएफपीए इंडिया के प्रतिनिधि एंड्रिया वोजनार ने एक बयान में कहा, भारतीय सर्वेक्षण के निष्कर्ष बताते हैं कि जनसंख्या की चिंता आम जनता के बड़े हिस्से में फैल गई है। उन्होंने कहा, फिर भी इससे कोई अलार्म पैदा नहीं होना चाहिए। इसके बजाय इसे प्रगति, विकास और आकांक्षाओं के प्रतीक के रूप में देखा जाना चाहिए। रिपोर्ट में महिलाओं के शारीरिक स्वायत्तता के अधिकार में कमी पर भी प्रकाश डाला गया।

बीजेपी को वोट दें ताकि कर्नाटक में 'विकास की गंगा निरंतर बहती रहे:नड्डा

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने राज्य में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा और कन्नड़ फिल्मों के अभिनेता किच्छा सुदीप भी बोम्मई के साथ रहे। इससे पहले दिन में बोम्मई ने नड्डा और सुदीप के साथ अपने निर्वाचन क्षेत्र शिग्गांव में एक विशाल रोड शो किया। 2008 से बोम्मई इस सीट का लगातार तीन बार प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। नामांकन दाखिल करने से पहले बोम्मई ने मंदिरों में पूजा-अर्चना भी की। इस महीने की शुरुआत में सुदीप ने मुख्यमंत्री बोम्मई को समर्थन देने की घोषणा की थी। बोम्मई, नड्डा और सुदीप के शिग्गांव

पहुंचने पर लोगों की भारी भीड़ नजर आई। तीनों विशेष रूप से तैयार किए गए वाहन में सवार थे। कित्तूर की पूर्व रियासत की रानी चेन्नम्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद वह रोड शो के लिए रवाना हुए। रानी चेन्नम्मा ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफसशस्त्र प्रतिरोध का नेतृत्व किया था। भीड़ में अधिकतर लोगों ने केसरिया टोपियां पहन रखी थीं। लोग हाथों में भाजपा के झंडे लिए वाहन के साथ आगे बढ़ते नजर आए। दोनों नेताओं और अभिनेता ने हाथ हिलाकर जनता का अभिवादन किया जिससे उनमें जोश सा भर गया। बाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि बोम्मई आज जो नामांकन दाखिल कर रहे हैं वह सिर्फविधायक पद के लिए नहीं है।

सम्पादकीय

मौसम के तल्ख तेवर

अप्रैल माह में सूर्य के तेवर इतने तल्ख हो चुके हैं कि घरों से बाहर निकलते ही लू जैसे प्रकोप का सामना करना पड़ रहा है। उससे इस बास्तविकता को स्वीकार कर लेना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन ने हमारे जीवन पर घातक प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। मौसम वैज्ञानिकों ने पहले ही दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में लू की चेतावनी दे दी थी लेकिन बीच-बीच में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि राहत जरूर देती रही लेकिन इससे फसलों को नुक्सान हो चुका है। अब जबकि मंडियों में सरकारी खरीद के लिए गेहूं पहुंच रहा है। ऐसे में अगले कुछ दिनों में बारिश की भविष्यवाणी खुले में पड़ी फसल के लिए नुक्सानदेह ही साबित होगी। भीषण गर्मी पड़ने से गेहूं का दाना सिकुड़ जाता है और बारिश होने से फसल तबाह हो जाती है। मौसम में बदलाव प्रकृति का नियम है लेकिन यह प्रश्न विचारणीय है कि सूर्य के तेवर तो हमेशा से ही ऐसे रहे हैं लेकिन मनुष्य ने जिस तरह से प्राकृतिक संसाधनों का दोहन अपने जीवन को सहज बनाने के लिए किया है उसी का खामियाजा आज हमें भुगतना पड़ रहा है। इस साल फरवरी में 122 साल बाद इतनी गर्मी पड़ी है। यह भविष्यवाणी तो काफी पहले से ही कर दी गई थी कि इस बार औसत तापमान से 5 डिग्री ज्यादा तापमान रहने वाला है। मुम्बई में तीन दिन पहले एक कार्यक्रम में इकट्ठे हुए लोगों में से 12 लोगों की मौत भीषणगर्मी के चलते ही हुई है। कुछ लोग अभी भी अस्पताल में हैं। गर्मी के प्रकोप के चलते एकाएक अचानक लोग गिरने लगे हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि लोग इतनी भयंकर गर्मी को झेल पाने में सक्षम नहीं हैं। प्रशांत महासागर में पेरू के निकट समुद्री तट के गर्म होने की घटना को अल-नीनो कहा जाता है। इसकी उपस्थिति पर मौसम का मिजाज निर्भर करता है। प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से ज्यादा हो जाता है। इस बार ऐसी ही स्थिति के आसार दिख रहे हैं। अगर इतिहास की बात करें कि किस साल में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ी थी तो इसका स्पष्ट जवाब देना काफी मुश्किल है। वैसे तो हर साल गर्मी के रिकॉर्ड टूटते ही जा रहे हैं। भारत के हिसाब से देखें तो पिछले कुछ सालों में साल 2015 को सबसे गर्म साल माना जाता है। इसके पीछे दावा ये है कि इस साल देश के कई शहरों में तापमान 48 डिग्री तक चला गया था और लू का भारी आक्रमण था। माना जाता है कि दुनिया की सबसे खतरनाक लू में इस वक्त की लू का पांचवां स्थान था। इसके अलावा कई रिपोर्ट में 2010 को सबसे गर्म सालों में से माना जाता है। इसके पीछे दावा ये है कि इस साल करीब 30 दिन दिल्ली में 42 डिग्री पारा रहा था, इसे 1951 के बाद से सबसे गर्म माना जाता है। वहीं 2012 में 30 तक इतना पारा रहा था। इसके अलावा 2019 में 16, 2018 में 19, 2017 में 15, 2014 में 15, 2015 में 18 दिन पारा काफी ज्यादा रहा था। वहीं कुछ प्रिपोर्ट में 2019 को सबसे गर्म साल माना जाता है। दरअसल इस साल राजस्थान के चुरू जैसे इलाकों में 50 से ज्यादा पारा पहुंच गया था। वहीं राजस्थान के कई शहरों में लम्बे समय तक पारा 45 डिग्री तक रहा था। एक शोध रिपोर्ट के अनुसार अब यह तथ्य प्रमाणित हो चुका है कि 1870 से लेकर आज तक भारतीय समुद्र के औसत तापमान में 1.4 डिग्री की बढ़ौतरी हो चुकी है। समुद्र का तेजी से बढ़ता तापमान और लम्बे समय तक चलने वाली समुद्री लू चलने की वजह से देश के समुद्र तटीय राज्यों में बारिश की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है। इसका सामना कई राज्य कर रहे हैं। सन् 2000 से पहले कोई भी गर्मी की लहर लगभग 50 दिनों के भीतर खत्म हो जाती थी लेकिन अब इसका समय बढ़कर करीब 250 दिन हो चुका है। बीते साल कार्बनडाईआक्साइड उत्सर्जन में दुनिया ने रिकार्ड बनाया है। मैदानी क्षेत्रों में गर्मी की लहर तब आती है जब तापमान 40 डिग्री पार कर जाता है। पर्वतीय इलाकों में जब तापमान 30 डिग्री हो जाता है, रात का तापमान 40 से अधिक हो और तटीय इलाकों में 37 डिग्री से अधिक होता है तब गर्मी की लहर की स्थिति होती है। वर्तमान में उत्तर भारत में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक है। पहाड़ी राज्यों के निचले इलाकों में अधिकतम तापमान वृद्धि की दर 10 से 11 डिग्री दर्ज की गई है। असलियत यह है कि देश के बहुतेरे हिस्से 100 फीसदी तक बारिश के अभाव में सूखे ही रह गए। करीब आठ राज्य दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र में आने वाले दिनों में तापमान में तेजी से बढ़ेगा। तापमान में यह बढ़ौतरी अल-नीनो की वापसी का नतीजा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की मानें तो अल-नीनो के तीन साल तक लगातार सक्रिय रहने के कारण दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तापमान बढ़ौतरी और बारिशचक्र की पद्धति में असाधारण रूप से बदलाव आया है।

जाति गणना का अस्त्र

यूं तो गाहे-बगाहे विभिन्न राजनीतिक दल देश में जाति आधारित जनगणना की मांग करते रहे हैं। पहले इस मुहिम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अगुवाई की। फिर राजद व द्रुमुक के अलावा कई राज्यों ने भी ऐसी मांग दोहराई। लेकिन अब अपने परंपरागत स्टैंड से इतर कांग्रेस ने जाति आधारित जनगणना की मांग उठाकर सब को चौंकाया है। निस्संदेह, यह कहना कठिन है कि यह मुद्दा कितना सामाजिक सरोकारों व वंचित समाज के उत्थान से जुड़ा है, लेकिन एक बात तो साफहै यह मामला सिर्फ कर्नाटक चुनाव तक ही सीमित रहने वाला नहीं है। बल्कि आसन्न आम चुनाव तक विपक्ष को एकजुट करने के लिये एक अस्त्र के रूप में प्रयोग किया जाने वाला है। यदि अतीत के पन्नों को पलटें तो जब कमंडल मुद्दा भाजपा के जनाधार को एकजुट करने का मंत्र बना तो मंडल का मुद्दा उभारा गया था। कमोबेश वही स्थितियां दोबारा दुहराई जा रही हैं। लगातार दो बार से केंद्र की सत्ता में काबिज मोदी सरकार को चुनौती देने के लिये विपक्षी एकता की जो इबारत लिखी जा रही है, उसके मूल में जाति गणना का मुद्दा सामने आया है। कर्नाटक के कोलार में गत रविबार हुई एक जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जाति गणना का मुद्दा उठाया था। जाहिर है यह बात उन्होंने पार्टी के थिंक टैंक की रीति-नीति के अनुरूप ही कही होगी। इसी कड़ी का दूसरा पहलू यह भी है कि इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जाति आधारित जनगणना करवाने पर जोर दिया है। कहीं न कहीं राहुल गांधी के मानहानि प्रकरण को भाजपा द्वारा पिछड़ों के अपमान के मुद्दे में तब्दील करने के बाद भी कांग्रेस डेमेज कंट्रोल में जुटी नजर आती है और भाजपा के अस्त्र से ही पलटवार करने का मन बना चुकी है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस का यह स्टैंड विपक्षी एकता की कवायदों के बीच साझे मुद्दे के रूप में उछालने का भी है।

बहरहाल, पलटवार करते हुए कांग्रेस नेतृत्व दलील दे रहा है कि भाजपा को यदि अन्य पिछड़ा वर्ग की इतनी चिंता है तो वर्ष 2011 में हुई जाति जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक करे। दलील यह भी कि वर्ष 2011 में जाति जनगणना का निर्णय संप्रग सरकार के कार्यकाल में हुआ था। साथ ही यह भी कि तब कोशिश इसलिये सिरे नहीं चढ़ सकी थी कि क्रियान्वयन होने तक केंद्र में मोदी सरकार आ गई थी। जिसने इन आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया। जाहिर है इस मुद्दे पर पहले भी खूब राजनीति हुई और आगे भी होती रहेगी। कहना कठिन है कि कांग्रेस समेत विपक्ष का इस मुद्दे के प्रचार का मकसद वाकई पिछड़ों व वंचितों का कल्याण करना है या सिर्फ अपना जनाधार बढ़ाना। कुछ लोग कांग्रेस की नीति में आये बदलाव की वजह यह भी बताते हैं ताकि कांग्रेस यह दिखा सके कि मुद्दों के मामले में वह शेष विपक्ष के साथ खड़ी है। निस्संदेह, इस मुहिम के जोर पकड़ने से भाजपा की मुश्किलें बढ़ जायेंगी। दरअसल, भाजपा सिद्धांत रूप में जाति जनगणना के पक्ष में नहीं रही है। उसे मालूम है कि देश में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल व जनता दल यूनाइटेड आदि के जनाधार का मुख्य आधार जातीय ध्रुवीकरण ही रहा है। जिसके चलते पिछड़े व वंचित वर्ग का कितना उत्थान हुआ ये कहना तो मुश्किल हैं, लेकिन इन दलों का परिवारवाद खूब फला-फूला है। लेकिन इतना तो तय है कि यह कवायद कालांतर आरक्षण के फार्मूले में बदलाव की मांग तक जायेगी। जातीय आधार पर गणना से सामने आने वाले आंकड़ों के जरिये विभिन्न जातियों के लिये नये सिरे से आरक्षण के निर्धारण की भी मांग उठेगी। उनकी सत्ता में भागीदारी बढ़ाने की भी बात कही जायेगी। लेकिन सवाल यह भी सामने आएगा कि 21वीं सदी में अमृतकाल से गुजरते देश में समतामूलक समाज के विकास का रास्ता क्या आरक्षण से होकर ही गुजरेगा? या फिर हाशिये पर गये लोगों के लिये आरक्षण को न्यायसंगत बनाने की भी पहल होगी। इस मुद्दे पर राजनीतिक चश्मे के बजाय राष्ट्रीय सरोकारों का भी ध्यान रखना होगा। यानी समतामूलक जातिविहीन समाज के विचार पर भी मंथन किया जायेगा।

भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा देश

संजीव ठाकुर

स्वामी विवेकानंद सदैव युवा शक्ति के प्रेरणा स्रोत रहे हैं।उन्होंने कहा है की मुझे कुछ साहसी और ऊर्जावान युवा पुरुष मिल जाए, तो मैं देशभर में क्रांति ला सकता हूंस

स्वतंत्रता के बाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी और कर्तव्यों से युवा ऊर्जावान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा युवाओं को आगे बढ़ाने और उन पर सदैव भरोसा करने वाली नीतियां बनाते आए हैंस और हमेशा युवाओं पर भरोसा किया हैस स्वतंत्रता संग्राम में भी मंगल पांडे ,लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, अशफाक उल्ला खान, राम प्रसाद बिस्मिल, खुदीराम बोस आदि युवाओं ने अपना सब कुछ न्योछावर कर देश को आजादी दिलाई थीस स्वतंत्रता के बाद भी भारत पर पाकिस्तान और चीन ने अनावश्यक आक्रमण कर भारत पर मानसिक दबाव डालना चाहा,पर भारत के नौजवान सैनिकों ने जिस साहस और वीरता के साथ सामना कर विजय प्राप्त की थी वह अत्यंत प्रशंसनीय एवं आदर्श का कार्य है। कारगिल युद्ध में भी भारत के नौजवान अधिकारी, सैनिकों ने पाकिस्तान को हराकर एक विजय गाथा लिखी थी। भारत के युवा गौरव की विजय गाथा किसी से छुपी नहीं है। भारत के युवा लोगों ने बुजुर्ग विद्वानों, दार्शनिकों और वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में देश भक्ति के अलावा अध्यात्म, धर्म,साहित्य, विज्ञान,कृषि तथा उद्योगों में पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन किया है। भारत के युवाओं ने यूरोप में अपने परिश्रम और लगन इमानदारी से अपना परचम फैलाया है। मैक्स मूलर ने ली भारत की युवा शक्ति की सराहना करते हैं भारत को एक युवा इस निरूपित कर भविष्य की असीम संभावनाओं की ओर इंगित किया है। भारत एक युवा राष्ट्र है ।और उसमें असीम संभावनाएं अंतर्निहित हैं ।वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवा शक्ति को चिन्हित कर सभी युवाओं का आह्वान कर युवा शक्ति को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। और यही कारण है की युवा शक्ति के साहस और संकल्प में जापान ओलंपिक 2020 में 7 मेडल लाकर एक इतिहास रचा है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने भी लिखा है कि देखो हमारा विश्व में कोई नहीं उपमान था, नरदेव थे हम और भारत देवलोक के समान था भारत की महान उपलब्धियों में देश की युवा शक्ति का बहुत बड़ा योगदान है। आज आई, आई, एम, आई,आई,टी, ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टिट्यूट तथा देश के अन्य शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े छात्र छात्राओं के शोध और अविष्कार के चलते भारत तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर हो रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की युवा सोच और दृढ़ संकल्प लें भारत के युवाओं में एक ऊर्जा प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान किया है।

वर्तमान की बात करता नाटक संग्रह सबका तीर्थ एक और कश्मीर

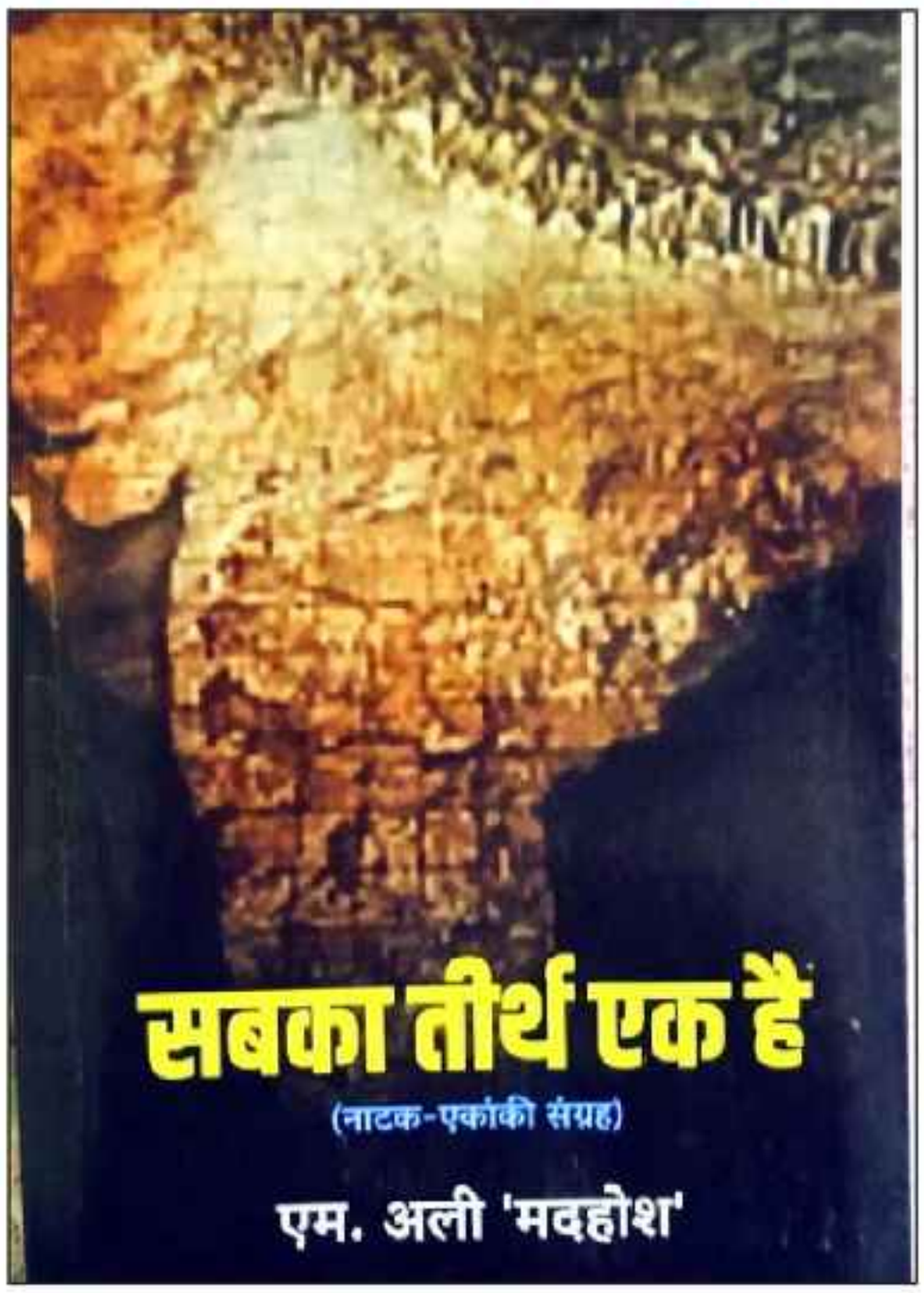

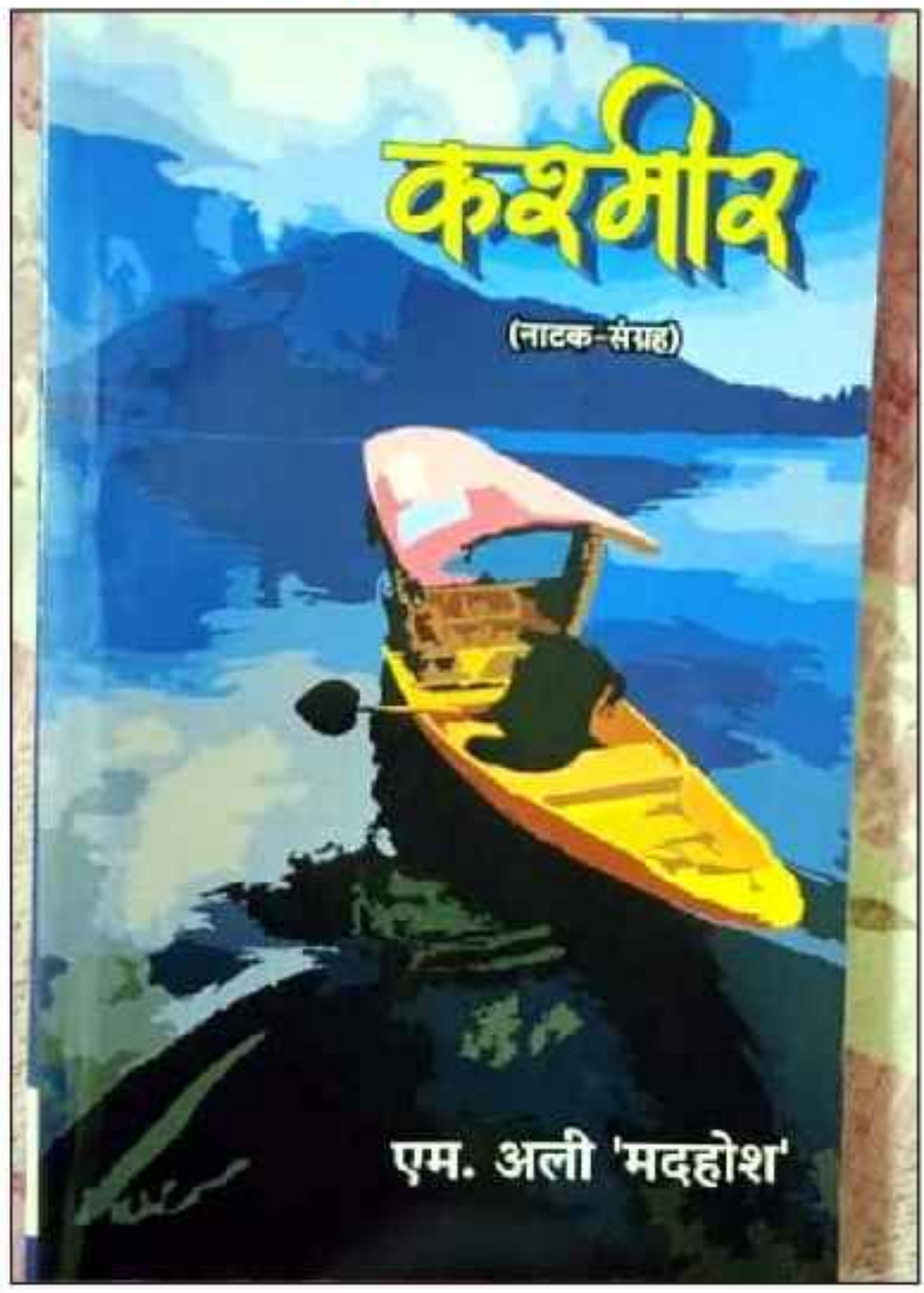

जीवन में कुछ चीजें परम्पराओं से मिलती हैं। और कभी -कभी तो ऐसा भी होता है कि वृहद परम्परा के बावजूद लोग अपनी विरासत को संभाल नहीं पाते हैं। एम अली मदहोश पेशे से तो अधिवक्ता है, लेकिन अपनी विरासत से गहरा नाता रखते है। कहने का मतलब रगंकर्म एक ऐसा विज्ञान है, जिसमें सारा ज्ञान -विज्ञान मौजूद ही नहीं हैं, बल्कि लोगों को सृजनधर्मिता के नये नये द्वार खोलता है। लेखन कला एक ऐसी विधा है,कि अगर व्यक्ति पढ़ने लिखनें वाला है या उसे विरासत से मिली चीजें सहेजने और आगे ले जाने का जज्बा है, तो उसे लिखनें से कोई नहीं रोक सकता है। मदहोश के साथ ऐसा ही है रंगभूमि पर उनकी माता और नानी की विरासत है। उनसे जो देखा - सुना और पाया उसे लोगों तक पहुंचाने का कार्य किया है खुद भी वह लेखन और निर्देशन के साथ कई नाटकों का मंचन कर चुके है। रंगकर्म के प्रति सोच अच्छी है, तो यह उनके लेखन में भी दिखता हैं। हाँ प्रस्तुति प्रक्रिया को लेकर उन्हें लघु फिल्में या नाटकों पर संजीदा होना होगा। प्रस्तुतिकरण बेहतर हो इस पर मदहोश को काम करने की जरूरत है ।

अभी हालिया इनके दो नाटय संग्रह रंग प्रेमियों के बीच आए हैं। सबका तीर्थ एक और कश्मीर। दोनों ही नाटय मौजूदा दौर की बात करते है। राजनीति, समाज, बदलते परिवेश और क्षीण होती मानवीय संवेदनाओं को झकझोंरते हैं। कहने का मतलब इन नाटकों में सवाल है, नाटकीयता है और सच कहने का जोखिम है। सबका तीर्थ एक बारह नाटकों को समेटे हुए है।

हालांकि नाटक लघु है और कई रंगों से सजे हुए है। लेखक गाँधी से प्रभावित है, तो गाँधी पर कई नाटक है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के भी कृतित्व और व्यक्तित्व की भी चर्चा है। मदहोश के लेखन की खासियत है, कि वह अखंड भारत की बात करते है, जाति, मजहब से परे जाकर इंसानियत को प्राथमिकता देते है। नाट्य लेखन में कथ्य के साथ द्वन्द्व, संघर्ष और रस की निष्पत्ति मायने रखती है। लेकिन राजनैतिक नाटकों में अक्सर इसका अभाव रहता है। प्रोपेगंडा और बयानबाजी के तत्व ज्यादा मिलते है। पर मदहोश ने इसको थोड़ा सार्थकता देने का काम किया है। इस संग्रह के कई नाटक किसी विशेष प्रयोजन को दृष्टिगत रखते हुए रचे गए हैं।

शीर्षक नाटक कश्मीर पूर्णकालिक नाटक है। यह कश्मीरियों की जिंदगी केंद्र में रखकर आतंकवादी और सेना के बीच चल रही मुठभेड़ो को व्याख्यायित करता है। स्वर्ग की धरती कहा जाने वाला कश्मीर अमन पसंद जनता के लिए कितना विषकारी बन गया है ।और लोग किन हालातों में जी रहे है, इन सवालों के केंद्र में चलता है। हालांकि जब यह नाटक लिखा गया था और आज के परिप्रेक्ष्य में महौल काफी बदला है फिर भी लांक्षित और निरीह लोगों की हत्याओं का सिलसिला जारी है फिलहाल नाटककार के इन दोनों संग्रहो का स्वागत किया जाना चाहिए। उन रंगकर्मियों के लिए बेहतर सफा है जो नये नाटको की तलाश में रहते है।

अनिल मिश्रा गुरु जी
9335556115

साहित्य चेतना सम्मान से सम्मानित हुए रचनाकार

लखनऊ। नवसृजन साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था तथा अखिल भारतीय लघुकथा कक्ष के संयुक्त तत्वावधान में सुश्री मंजू सक्सेना एवं सुश्री अपर्णा गुप्ता के संयुक्त सम्पादन में प्रकाशित कृति चेतना की उड़ान लघुकथा साझा संग्रह का लोकार्पण समारोह गत 16 अप्रैल को गांधी भवन, लखनऊ के करण भाई सभागार में सम्पन्न हुआ। समारोह के अध्यक्ष प्रो. डॉ. वी. जी. गोस्वामी, वरेण्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार पूर्व पुलिस महानिदेशक महेश चन्द द्विवेदी, प्रो. डॉ. ऊषा सिन्हा, डॉ. सुल्तान शाकिर हाशमी एवं ओम नीरव रहे।

समारोह का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व यश:शेष डॉ. रंगनाथ मिश्र सत्य के चित्र पर माल्यार्पण, डॉ. योगेश गुप्त के कुशल संचालन व श्वेता शुक्ला की वाणी वन्दना से हुआ। कार्यक्रम के स्वगताध्यक्ष देवेश द्विवेदी देवेश ने मंचस्थ अथितियों सहित समारोह में उपस्थित समस्त साहित्यकारों व गणमान्य नागरिकों का स्वागत अभिनंदन किया। तत्पश्चात श्रीमती मंजू सक्सेना व अपर्णा गुप्ता के संयुक्त सम्पादन में प्रकाशित कृति चेतना की उड़ान लघु कथा साझा संकलन का लोकार्पण मंचस्थ अतिथियों द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. सुधा मिश्रा ने लोकार्पित कृति पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए संकलन के सभी रचनाकारों को बधाई दी।

समारोह में पं. बेअदब लखनवी, भारती पायल, देवेश द्विवेदी देवेश, तेज नारायण श्रीवास्तव राही, अरविन्द रस्तोगी, के.पी. सत्यम, कैलाश प्रकाश त्रिपाठी, राम राज भारती फतेहपुरी, गोबर गणेश, कृष्णानन्द राय, शरद पाण्डेय शशांक, प्रेम शंकर शास्त्री बेताब, शरद सिन्धु, मनु बौछार, डॉ. हरि फैजाबादी, मुकेश मिश्रा, डॉ. वी. जी. गोस्वामी, ओम नीरव, डॉ. श्याम गुप्त, संजीव आहूजा, डॉ. रमा जैन अग्रवाल, डॉ. सौम्या सुषमा, सीमा सक्सेना वर्णिका, रत्ना बापुली, रश्मि लहर, शशि द्विवेदी, सुषमा गुप्ता, पुष्पा गुप्ता, विजय कुमारी मौर्य, सरोज बाला सोनी, इरा जौहरी, सविता श्रीवास्तव, जिज्ञासा सिंह, शिल्पी त्रिवेदी, डॉ सरभि सिंह, अल्का अस्थाना, मंजू सक्सेना, निवेदिता श्रीवास्तव, नीरजा कृष्णा, आरती पाण्डेय, नीरजा शर्मा, गार्गी राय, नम्रता शर्मा, नलिनी श्रीवास्तव नील, दीप्ति श्रीवास्तव आदि को सम्मानित किया गया।

लघुकथा संकलन चेतना की उड़ान का लोकार्पण

लखनऊ

सबसे अलग अनोखी है बात लखनऊ की
बढ़ रही है रौनक दिन-रात लखनऊ की
महक रेवड़ी की,कारीगरी चिकन की
तहजीब व अदब है सौगात लखनऊ की।

ग़र प्यार देखना है तो लखनऊ में आयें
इज़हार देखना है तो लखनऊ में आयें
ईद हो या होली,रमजान या दीवाली
त्यौहार देखना है तो लखनऊ में आयें।
दिल में बसा है सबके बस प्यार लखनऊ में
है अदब और तहजीब की बहार लखनऊ में
आफताबी रौनक दिखती है जहाँ अक्सर
है वो %गंज% सा अनोखा बाजार लखनऊ में।

लोकप्रियता चढ़ी परवान पर रहे,
तू बुलंदियों के आसमान पर रहे,
ऐ लखनऊ जादू तेरा यूँ ही रहे कायम,
तहजीब बन तू सबकी जुबान पर रहे।

देवेश द्विवेदी देवेश

क्यों धधक रहा हैं सूडान

आदित्य नारायण

दुनिया में जिधर भी नजर दौड़ाएं उथल-पुथल ही नजर आ रही है। मानवता कराह रही है। लोग मर रहे हैं। सैकड़ों लोग हताहत हो रहे हैं। कहीं भूख से बच्चे बिलबिला रहे हैं तो कहीं अपने ही देश में लोग शरणार्थी हो रहे हैं। कहीं युद्ध है तो कहीं आतंकवाद। सूडान एक बार फिर वैश्विक खबरों में है। जहां इस समय अराजकता का माहौल है। शहरों से उठता हुआ धुआं और उनके बीच से गुजरते फाइटर जेट इस बात की ओर इशारा करते हैं कि देश में हालात बहुत बिगड़ चुके हैं। जिस देश ने अकाल का सामना किया हो और जिसने रोटी के लिए संघर्ष ध्किया हो वहां गृहयुद्ध की स्थिति कैसे पैदा हो गई। यह एक विचारणीय प्रश्न है। सूडान में सेना और प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक बल में खूनी संघर्ष छिड़ा हुआ है। इस संघर्ष में केरल निवासी एक भारतीय समेत कम से कम 61 लोगों की मौत हो गई है। इनमें तीन संयुक्त राष्ट्र कार्यकर्ता भी शामिल हैं। हिंसा में लगभग एक हजार लोग घायल हुए हैं।

यद्यपि सेना ने अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स समूह के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक कर सत्ता के लिए खूनी संघर्ष में बढ़त हासिल कर ली है। लेकिन इससे लोकतंत्र बहाल करने की उम्मीदों को ही झटका लगा है। इस सारे घटनाक्रम के बीच सूडान में रहने वाले भारतीय चाहते हैं कि देश में जल्द से जल्द शांति हो जाए। प्राचीन समय से ही इस देश का भारत से ऐतिहासिक, राजनीतिक और आर्थिक रिश्ता रहा है। लगभग दो हजार भारतीय मूल के लोग पीढ़ियों से सूडान में रह रहे हैं। इसके अलावा कई भारतीय कंपनियों ने सूडान में पैसा लगा रखा है और बहुत से भारतीय नौकरियों के सिलसिले में वहां हैं। भारत सरकार को भारतीय नागरिकों की ध्चिंता है। तभी उसने स्थिति को देखते हुए परामर्श जारी किया था कि वे अपने घरों में ही रहें। भारतीय विदेश मंत्रालय की सूडान की स्थिति पर नजर है। सूडान में जारी खूनी संघर्ष के केंद्र में दो लोग हैं। इनमें एक सूडान के सैन्य नेता अब्दुल फत्तह अल बुरहान और दूसरे अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के कमांडर मोहम्मद हमदान दगालो हैं। कुछ समय पहले तक ये दोनों सहयोगी थे। इस जोड़ी ने 2019 में सूडानी राष्ट्रपति उमर अल-बशीर को अपदस्थ करने के लिए एक साथ काम किया था और 2021 में भी सैन्य तख्तापलट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बाद में नागरिक शासन को बहाल करने की योजना के दौरान सेना में आरएसएफको एकीकृत करने के लिए बातचीत के दौरान दोनों के बीच विवाद और तनाव उत्पन्न हो गया। अब दोनों के बीच इस बात पर विवाद है कि नए पदानुक्रम में कौन सीनियर होगा और कौन उसके मातहत होगा? इसी वर्चस्व की लड़ाई में दोनों सैन्य कमांडर के बीच खूनी संघर्ष छिड़ चुका है। अब्दुल फत्तह अल बुरहान मूल रूप से सूडान का नेता है। बशीर के पतन के समय बुरहान सेना के महानिरीक्षक थे। उनका करियर दागलो के समानांतर रहा है। अब्दुल फत्तह अल बुरहान के नेतृत्व वाली सेना ने एक बयान में आरएसएफ के साथ बातचीत से इनकार करते हुए और इसे भंग करने की बात कही है और इसे बागी मिलिशिया करार दिया है। अर्द्धसैनिक समूह आरएसएफने सशस्त्र बलों के प्रमुख को अपराधी बताया है। वर्ष 2021 में देश में तख्तापलट हुआ था और अब इस तरह के संकेत मिल रहे हैं कि दोनों के बीच संघर्ष जारी रह सकता है। जनरल मोहम्मद हमदान दागलो की अगुवाई वाले आरएसएफका सशस्त्र बलों में एकीकरण को लेकर सहमति न बन पाने की वजह से यह तनाव उत्पन्न हुआ है। जब दो साल पहले क्रांति हुई थी तो लोगों को उम्मीद थी कि उन्हें शीघ्र लोकतंत्र मिलेगा लेकिन अब उन्हें भविष्य अंधकार में नजर आ रहा है।

कवि कौन ?

कवि वह जो कि मातृभूमि का करे बखान,
राष्ट्रभक्ति-भाव का प्रसार करता रहे।

कवि वह जिसकी समाज प्रति एक दृष्टि,
मानव हो मानव को प्यार करता रहे।

कवि वह जिसके हृदय में हो बचपन,
जीवन में श्रद्धा व विश्वास भरता रहे।

कवि वह जो कि चाहे लोक हो सुखी सदैव,
विश्व शांति का सदा प्रसार करता रहे।

अखिलेश त्रिवेदी शाश्वत

सुधियाँ

साथी रूठ गया,
अब सपने
सूली लटकेंगे !

प्रतिबन्धों की ज़न्ज़ीरों में
खूब कसे-
उसने ज़ज्बात!
अनुबन्धों के संकतों से,
घिर आयी-
दिन में ही रात।।
धीरज छूट गया,
जीवन भर-
दर-दर भटकेंगे ।।1।।

आँखें मूँदें %शान्त% रात भर,
करवट करवट
जाग रहे !
हम सुविधायों के मृग-छोनों के
पीछे-पीछे-
भाग रहे !!
बुत ही टूट गया,
किरच-किरच-
होकर चटखेंगे ।।2।।
साथी रूठ गया,
अब तन्हा
हम जी न सकेंगे !

देवकीनन्दन शान्त
लखनऊ
सम्पर्क = 9935217841

वतन के लिए

शक्ति हो सब समर्पित वतन के लिए।
भक्ति भी भारती को नमन के लिए।।

गा सकें शुद्ध वाणी से मां का भजन।
धार गंगा की हो आचमन के लिए।
तत्व गीता का हो मर्म मानस का हो।
वेद की हर ऋचा हो श्रवण के लिए।

सत्य सुन्दर व शिव की त्रिवेणी लिए
काव्य हो सब समस्या शमन के लिए।
मिट सके युग विसंगति भरी हर घुटन
स्वच्छ पथ हो सुगंधित पवन के लिए।

भक्ति कोई कभी जब चिता पर चढ़े
अग्नि हो होलिका के दहन के लिए।
काम आए जो माता की सेवा में तन
हो वसन भी स्वदेशी कफन के लिए।
जब छपे राष्ट्र गौरव की गाथा %विजय%
काम आए कलम प्राक्कथन के लिए।।

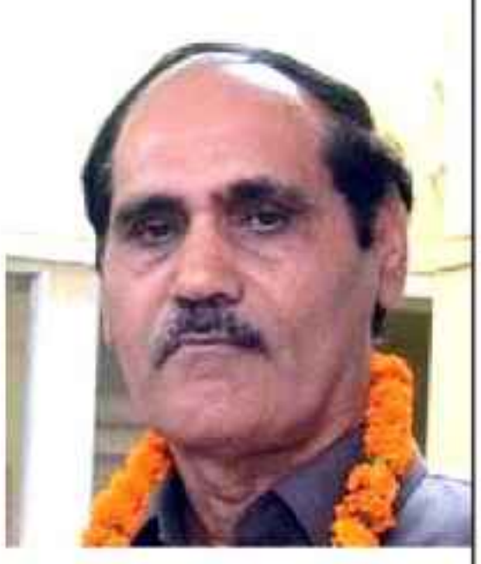

विजय त्रिपाठी
लखनऊ
सम्पर्क : 9454411591

हिंदुस्तानी हैं हम सारे--

मैं- मैं तू -तू करते -करते
देखो न हम को भूल गए ।
बंधे हुए थे एक सूत्र में
झरनों सा -झर -झर छूट गए ।
बटी- बटी दुनिया अब सारी
बटे -बटे से लोग यहाँ ।
खोए- खोए से सब सपने
खोए अपने जाने कहाँ ।
कुनबे के नाम पर अब देखो
गिने चुने कुछ लोग बचे
मोती सा- छन- छन बिखर-बिखर
रिश्तो के धागे टूट गए ।
बंधे हुए थे एक सूत्र में
झरनों सा- झर-झर छूट गए।
कभी धर्म तो कभी अहम्
हावी खुद पर हो जाता है।
फिर दुनिया के इस जंगल में
अपना कोई हो जाता है।
आओ समझे बस एक शब्द
हिंद ही हमारी भाषा हो।
हिंदुस्तानी हो हम सारे
बस एक धर्म का नाता हो।
क्यों अपनाएं गैर संस्कृति
जिससे अपने रूँठ गए।
बंधे हुए थे एक सूत्र में
झरनों सा-झर -झर छूट गए।
मैं -मैं तू -तू करते -करते
देखो न हमको भूल गए।।

मधु पाठक मांझी
जानकीपुरम गार्डन, लखनऊ

लॉकर गायब करने में फंसेगी पीएनबी के अफसरों की गर्दन

कानपुर। बहुचर्चित लॉकर प्रकरण में अब पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों की गर्दन फंसने लगी है। नौबस्ता में दर्ज मामले की जांच कर रही क्राइम ब्रांच उन अफसरों की सूची बना रही है जिनके समय में लॉकर किदवईनगर शाखा से जागेश्वर शाखा व अन्य जगह स्थानांतरित किए गए थे। इन अफसरों से जांच अधिकारी लगातार शिफ्टिंग से जुड़े सभी दस्तावेज मांग रहे हैं लेकिन अब तक यह उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। ऐसे में उक्त अफसरों की गर्दन फंसनी तय मानी जा रही है। सूत्रों के अनुसार बैंक ने अभी तक जो दस्तावेज दिए हैं उनसे यह साफ नहीं हो सका है कि किदवईनगर शाखा से लॉकर हटाने के दौरान कितने लॉकर कहां भेजे गए और किसके आदेश पर भेजे गए। चूंकि जागेश्वर शाखा से मिले जवाब में यह साफ हो गया है कि शिफ्टिंग के समय कई ऐसे लॉकर थे जिनकी मास्टर की तो साथ में आई थी लेकिन कस्टमर की यानि दूसरी चाभी मौजूद नहीं थी। ऐसे में माना जा रहा है कि यह सभी लॉकर बंद थे और इनमें सामान रखा हुआ था। दूसरा, बैंक यह नहीं बता पा रहा है कि शिफ्टिंग से पहले उसने लॉकर धारकों को पत्र लिखकर उसे खाली करने या शिफ्ट करने से संबंधित कोई जानकारी दी थी या नहीं। चूंकि आरबीआई का स्टैंडिंग ऑपरेटिंग प्रोसीजर के तहत ही यह काम होता है जिसमें लॉकर खाली होने पर ही शिफ्ट किया जाता है।

ऐसे में अगर चाभियां नहीं थी तो यह माना जा सकता है कि बैंक ने भरे हुए लॉकर ही शिफ्ट कर दिए। साथ ही जिन लॉकरों का पता नहीं चल रहा उनमें रखे सामान के गायब होने पर भी बैंक की ही जिम्मेदारी बनेगी। इन्हीं तर्कों के साथ अब जांच अधिकारियों ने बैंक अफसरों को घेरने के लिए कमर कस ली है। माना जा रहा है कि अगर बैंक अफसरों की ओर से वाजिब जवाब नहीं मिलते हैं तो क्राइम ब्रांच उनकी गिरफ्तारी भी कर सकती है। नौबस्ता निवासी वायुसेना से रिटायर रमेश चंद्र तिवारी ने 2007 में पीएनबी की किदवईनगर स्थित के ब्लॉक शाखा में एक लॉकर लिया था जिसमें पत्नी व बच्चों के करीब 25 लाख रुपये के जेवर रखे हुए थे। आखिरी बार उन्होंने अपने पास मौजूद चाभी से 26 दिसंबर 2013 को लॉकर खोला था। इसके बाद जब वह 3 मार्च 2018 को लॉकर संचालित करने गए तो पता चला कि वह कहीं और शिफ्ट हो चुका है। लंबे पत्राचार के बाद भी जब लॉकर और सामान का पता नहीं चला तो उन्होंने नौबस्ता थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। हाल ही में वादी की गुजारिश पर पुलिस कमिश्नर ने मामले की जांच नौबस्ता से क्राइम ब्रांच को दे दी है।

आरिफ के दोस्त सारस को जल्द मिलेगा साथी

कानपुर। चिड़ियाघर में पिछले कई सालों से एक बाड़े में तीन सारस हैं। आज तक चिड़ियाघर प्रशासन ने उनके लिंग की पहचान नहीं कराई है। अब जब आरिफ के सारस दोस्त को यहां लाया गया, तो इसकी जरूरत पड़ी। उसे छोड़ने की अनुमति न मिलने के बाद चिड़ियाधर प्रशासन ने उसका एकांतवास समाप्त करने का निर्णय लिया है।कानपुर चिड़ियाघर के एकांतवास में रखे गए आरिफ के सारस दोस्त की लिंग परीक्षण की रिपोर्ट आने के बाद एकांतवास समाप्त हो जाएगा। चिड़ियाघर के बाड़े में पहले से रह रहे तीन सारसों का भी डीएनए टेस्ट होगा। उनका भी लिंग जानने के बाद सारस को उनके साथ रखा जाएगा। चिड़ियाघर में पिछले कई सालों से एक बाड़े में तीन सारस हैं। आज तक चिड़ियाघर प्रशासन ने उनके लिंग की पहचान नहीं कराई है। अब जब आरिफ के सारस दोस्त को यहां लाया गया, तो इसकी जरूरत पड़ी। उसे छोड़ने की अनुमति न मिलने के बाद चिड़ियाधर प्रशासन ने उसका एकांतवास समाप्त करने का निर्णय लिया है। इसके लिए सभी सारसों का डीएनए टेस्ट लैब भेजा गया है। चिड़ियाघर के निदेशक केके सिंह ने बताया कि लिंग परीक्षण के बाद सारस को जोड़े के साथ बाड़े में रखा जाएगा। अमेठी के जामो ब्लॉक निवासी आरिफ और सारस की दोस्ती अगस्त 2022 में हुई थी। आरिफ को सारस खेत में जख्मी हालत में मिला था। उसके दाहिने पैर पर चोट लगने से खून निकल रहा था। उसके पैर पर दवा लगाकर पट्टी बांध दी। उसके बाद सारस को खेत पर किनारे लिटा दिया। इसके बाद लगातार उसकी देखरेख करते रहे। सारस आरिफ के घर पर ही रहने लगा। धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती मिसाल बन गई।

13 नगर निकायों में डेरापुर, झींझक व शिवली में अध्यक्ष पद पर एक-एक नामांकन

कानपुर देहात। जिले के 13 नगर निकायों में नामांकन का मंगलवार को दूसरा दिन रहा। झींझक पालिका में अध्यक्ष पद के लिए एक दावेदार ने नामांकन दाखिल किया। यहां सोमवार को भी एक नामांकन हुआ था। अब झींझक में अध्यक्ष पद पर दो नामांकन हो गए। इधर, डेरापुर व शिवली नगर पंचायत में अध्यक्ष पद के लिए एक-एक नामांकन हुआ। रूरा, रनियां, पुखरायां, झींझक व सिकंदरा नगर निकायों में कुल 22 सदस्य पद के नामांकन दाखिल हुए। अब तक सदस्य पद के कुल 23 नामांकन हो गए।

नगर निकायों में अध्यक्ष के 13 पदों और सदस्यों के 190 पदों के लिए मंगलवार को नामांकन का दूसरा दिन रहा। पहले दिन सोमवार को केवल झींझक पालिका में अध्यक्ष पद के संतोष त्रिपाठी ने निर्दलीय नामांकन कराया था। जबकि सदस्य पद के लिए एक नामांकन आया था। सभी छह तहसीलों में अलग-अलग नामांकन कक्षों में व्यवस्था दुरुस्त रही। अकबरपुर में एसडीएम डॉ. पूनम गौतम ने आरओ कक्ष व बैरिकेडिंग आदि की व्यवस्था जांची। इधर दूसरे दिन झींझक पालिका अध्यक्ष पद के लिए मंगल सिंह ने नामांकन कराया। डेरापुर नगर पंचायत में पूर्व चेयरमैन विजय लक्ष्मी ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। शिवली नगर पंचायत में मनीषा गुप्ता ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन कराया। इधर रूरा नगर पंचायत में वार्ड छह से रजनी, वार्ड नौ में सुधा और वार्ड एक में महेश चंद्र गुप्ता ने नामांकन कराया। रनियां नगर पंचायत में वार्ड सदस्य के लिए नौ नामांकन दाखिल हुए। पुखरायां में सदस्य पद पर दो नामांकन आए। झींझक में वार्ड सदस्य के लिए छह नामांकन हुए। सिकंदरा में वार्ड सदस्य के लिए दो दावेदारों ने नामांकन कराया। इस प्रकार मंगलवार को सदस्य पद के लिए कुल 22 नामांकन हुए।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

उन्नाव (यूएनएस)। जिले में सुनसान इलाके में एक युवक का शव पेड पर फंदे से लटकता हुआ मिला। युवक रविवार को बाजार जाने की बात कहकर घर से निकला था। भाई की सूचना पर चौकी प्रभारी दीपक कुमार ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्नाव जनपद की सीमा से सटे हुए गांव देवीपुरवा में 30 वर्षीय इमरान पुत्र फारुख बीते रविवार को गंजमुरादाबाद में बाजार जाने की बात कहकर घर से निकला था। लेकिन जब वह देर शाम तक घर नहीं पहुंचा तो परिजनो ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी। लेकिन बीते सोमवार शाम तक उसका कहीं सुराग नहीं चल सका। खोजबीन में लगे परिजनों को जानकारी हुई तो वह बांगरमऊ क्षेत्र के गांव फतेहपुर हमजा में बनी ईदगाह के निकट सुनसान इलाके में पहुंचे। जहां एक पेड पर रस्सी के सहारे उसका शव लटका हुआ पाया गया। मृतक के भाई लाइन की सूचना पर गंजमुरादाबाद पुलिस चौकी प्रभारी दीपक कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कुछ लोगों द्वारा इस घटना को संदिग्ध करार देते हुए चर्चा हो रही है तो कुछ का कहना है कि उसे कोई गंभीर बीमारी थी।

कानपुर देहात में तीन लोग और संक्रमित, अब तक मिले सात केस

कानपुर देहात। सीएमओ डॉ. एके सिंह ने बताया कि मंगलवार को आई आरटीपीसीआर रिपोर्ट में झींझक में दो और अकबरपुर में एक समेत तीन लोग संक्रमित पाए गए हैं। सभी को घर में ही आइसोलेट कर दिया है। बुधवार को टीम गांव जाकर जांच पड़ताल करेगी। कानपुर देहात में लगातार कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं, इसके बाद भी लोग बेफिक्र हैं। जिला अस्पताल में जुटने वाली भीड़ बिना मास्क और सामाजिक दूरी के लाइन में लग रही है। वहीं, मंगलवार को आई आरटीपीसीआर रिपोर्ट में तीन लोग और संक्रमित मिले हैं। सभी को टीम ने घर में आइसोलेट कर दिया है। संदलपुर के तीन गांवों में कोरोना संक्रमित मिलने के बाद मंगलवार को टीम ने 70 लोगों के सैंपल लिए। मौसम में बदलाव की वजह से जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़ जुट रही है। हर दिन ओपीडी, पंजीकरण कक्ष और औषधि केंद्र के बाहर लंबी लाइन लग रही है। बिना दो गज की दूरी व बिना मास्क के मरीज एक-दूसरे से चिपक कर खड़े होते हैं। इस दौरान डॉक्टर से लेकर मरीजों के खड़े होने की व्यवस्था देखने वाले वार्ड ब्वॉय भी कोविड नियमों का पालन नहीं करा रहे हैं। सोमवार को संदलपुर ब्लॉक के एक गांव की दो महिला व एक पुरुष कोरोना संक्रमित पाए गए थे। इसके चलते मंगलवार को सीएचसी हवासपुर की टीम ने गांव पहुंचकर जांच की। सीएचसी हवासपुर के अधीक्षक डॉ. सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि गांव में 70 लोगों की किट से जांच कराई, तो कोई भी संक्रमित नहीं मिला। आरटीपीसीआर जांच के लिए सैंपल बीएसएल टू लैब भेजे गए हैं। गुरुवार तक जांच रिपोर्ट आएगी। सीएमओ डॉ. एके सिंह ने बताया कि मंगलवार को आई आरटीपीसीआर रिपोर्ट में झींझक में दो व अकबरपुर में एक समेत तीन लोग संक्रमित पाए गए हैं।

बिलकिस बानों के दोषियों की रिहाई पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई गुजरात सरकार को लगाई फटकार

नयी दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो की याचिका पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान गुजरात सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि आखिर आपको इस बात ध्यान रखना चाहिए कि कभी भी सत्ता का अवैध प्रयोग ना हो। कोर्ट ने कहा कि यह एक ऐसा मामला है जहां एक गर्भवती महिला के साथ गैंगरेप किया गया और उसके सात रिश्तेदारों की हत्या कर दी गई। हमने आपको (गुजरात सरकार) सभी रिकॉर्ड पेश करने के लिए कहा था। हम जानना चाहते हैं कि क्या आपने अपना विवेक लगाया है। अगर हां तो बताएं कि आपने किस सामग्री को रिहाई का आधार बनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि हम केवल यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि शक्ति का वास्तविक प्रयोग हो। सत्ता का कोई अवैध प्रयोग न हो। जिस तरह से

अपराध किया गया था वह भयानक है। बता दें कि बिलकिस बानो ने याचिका में गुजरात सरकार पर अपने मामले के दोषियों को समय से पहले रिहा करने का आरोप लगाया था। उन्होंने अपनी याचिका में 11 दोषियों को रिहा किए जाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी है। सुनवाई के दौरान केंद्र और गुजरात सरकार की ओर से ॅलैट राजू ने कहा कि हम उस आदेश पर पुनर्विचार की मांग कर रहेहैं, जिसमें हमें इस अदालत द्वारा जारी की गई फाइलें पेश करने के लिए कहा गया है। हम रिव्यू दाखिल कर रहे हैं।

हमने फाइल पेश करने के लिए समय भी मांगा है। ये सरकार का विशेषाधिकार है। एसवी राजू ने कहा कि 2002 के गुजरात दंगों के दौरान सामूहिक दुष्कर्म और परिवार के सात सदस्यों की हत्या करने के मामले में राज्य सरकार के 11 दोषियों की सजा में छूट देने के फैसले के खिलाफभी एक याचिका दायर की है। जिसमें उन्होंने कहा कि दुष्कर्म के दोषियों की समय से पहले रिहाई ने समाज की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है।

पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने भी रिहाई पर सवाल उठाए थे। क्या रिहाई देने के लिए गुजरात सरकार का अधिकार क्षेत्र था ? किस अधिकार क्षेत्र के तहत गुजरात ने रिहाई की ? क्या अदालत ऐसे निकाय को रिहाई पर विचार करने को कह सकती है जिसका अधिकार क्षेत्र ना हो ? हम इन सब पहलुओं पर विचार करेंगे। कोर्ट ने आगे कहा कि दोषी करार दिए गए हर शख्स को एक हजार दिन से अधिक का पैरोल मिला है। हमारा मानना है कि जब आप शक्ति का प्रयोग करते हैं तो उसे जनता की भलाई के लिए किया जाना चाहिए। चाहे आप जो भी हों, आप कितने भी ऊंचे क्यों ना हों, भले ही राज्य के पास विवेक हो ? यह जनता की भलाई के लिए होना चाहिए, ऐसा करना एक समुदाय और समाज के खिलाफअपराध है। कोर्ट ने गुजरात से सरकार से पूछा कि दोषियों की रिहाई करके आप क्या संदेश दे रहे हैं ? आप सेब की तुलना संतरे से कैसे कर सकते हैं ? इतना ही नहीं आप एक व्यक्ति की हत्या की तुलना कई लोगों के सामूहिक हत्या से कैसे कर सकते हैं?

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि बार बार कहने के बावजूद गुजरात सरकार उम्रकैद के दोषियों की समय पूर्व रिहाई के दस्तावेज रिकॉर्ड हमारे सामने नहीं ला रही है। यदि आप हमें फाइल नहीं दिखाते हैं तो हम अपना निष्कर्ष निकालेंगे। साथ ही यदि आप फाइल प्रस्तुत नहीं करते हैं, तो आप कोर्ट की अवमानना कर रहे हैं। ऐसे में हम स्वतरू ही संज्ञान लेकर अवमानना का मामला शुरू कर सकते हैं।

टिकट तय न होने से भाजपा और सपा में बगावत की सुगबुगाहट

बरेली। निकाय चुनाव में नगर पालिका बहेड़ी के अध्यक्ष पद के दावेदार अपनी पसंद की पार्टी से टिकट पाने की जोड़तोड़ में जुटे हैं। कांग्रेस को छोड़कर अभी किसी दल के उम्मीदवार के पत्ते नहीं खुले हैं। इससे दावेदार तो बेचैन हैं ही, पार्टी समर्थकों की भी धड़कनें बढ़ी हुई हैं। टिकटों की घोषणा जल्द होनी है, लेकिन टिकट नहीं मिलने पर कुछ लोग बगावत कर सकते है, ऐसी चर्चाएं तेज हो गई हैं। कई लोग चुनाव लड़ने की पहले से तैयारी कर रहे हैं। भाजपा में टिकट के आवेदन के लिए एक ऐसे नाम की जबरदस्त चर्चा है जिसका पार्टी के लिए तो कोई समर्पण होने की न जानकारी आमजन को है और न ही जनता के बीच गहरी पैठ। ऐसे में अगर फैसला उनके पक्ष में आ जाता है तो फैसले से नाराज लोग समर्थकों के साथ नई

राह भी चुन सकते हैं। यही स्थिति समाजवादी पार्टी की दिख रही है। पार्टी के एक पूर्व जिला स्तरीय पदाधिकारी मजबूत दावेदार बताए जा रहे हैं तो निवर्तमान पालिकाध्यक्ष पति भी सपा से ही जुड़े हैं। वे भी टिकट के लिए लाइन में हैं। देखना यह है कि सभी राजनीतिक दलों द्वारा टिकटों की घोषणा करने के बाद चुनाव की क्या तस्वीर उभरकर सामने आती है।

सपा बागपत और बड़ौत सीटों पर नहीं लड़ेगी चुनाव

लखनऊ (यूएनएस)। बागपत जनपद निकाय चुनाव को लेकर रालोद ने सोमवार को अपने प्रत्याशियों को चुनाव सिंबल वितरित कर दिए हैं। इसी बीच समाजवादी पार्टी ने मंगलवार को बड़ा एलान करते हुए बड़ौत और बागपत में अध्यक्ष पद पर चुनाव न लड़ने की घोषणा कर दी। इन दोनों ही सीटों पर पार्टी राष्ट्रीय लोकदल का समर्थन करेगी। मंगलवार को समाजवादी पार्टी के ऑफिशियल ट्विटर पेज से एक पोस्ट किया गया है जिसमें लिखा है कि बड़ौत और बागपत में समाजवादी पार्टी स्थानीय नगर निकाय चुनावों में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव नहीं लड़ेगी और राष्ट्रीय लोक दल का समर्थन करेगी। आरएलडी ज्यादातर सीटों पर प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह बांट चुकी है। कार्यकर्ताओं से चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। रालोद ने बागपत नगर पालिका से पूर्व चेयरमैन राजुद्दीन एडवोकेट, खेकड़ा नगर पालिका से रंजीता धामा को अध्यक्ष पद के लिए प्रत्याशी घोषित किया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मनीष सिसोदिया की जमानत पर फैसला सुरक्षित

नयी दिल्ली तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफदर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार को सुनवाई हुई। राउज एवेन्यू कोर्ट ने बहस पूरी होने के बाद जमानत पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत अगली सुनवाई 26 अप्रैल को होगी। इससे पहले 24 अप्रैल को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर भी दिल्ली कोर्ट में बहस होगी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को सिसोदिया की न्यायिक हिरासत सीबीआई मामले में 27 अप्रैल तक और ईडी मामले में 29 अप्रैल तक बढ़ाई है। कोर्ट में ईडी के वकीलों ने कहा कि अप्रैल के अंत तक मनीष सिसोदिया, अमनदीप सिंह ढाल और अरुण रामचंद्र पिल्लई के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी जाएगी। मनीष सिसोदिया के वकील ने कहा ईडी का काम ये बताना नहीं है जीओएम और कैबिनट में क्या हुआ ? ईडी को ये बताना चहिए कि अगर कोई अपराध हुआ है तो इससे किसको फायदा पहुंचा है। सिसोदिया के वकील ने कहा कि सिर्फअनुमानों के आधार पर सिसोदिया को हिरासत में नहीं रखा जा सकता है। उनके खिलाफकोई मनी लॉड्रिंग का मामला नहीं बनता है। सिसोदिया के वकील ने कहा क्या कोर्ट ये कह सकता है कि टेंडर के लिए लॉटरी क्यों निकाली गई ? टेंडर के लिए बोली क्यों नहीं

लगाई गई ? अगर पूर्व उप मुख्यमंत्री ने किसी अधिकारी से कानून के अनुसार काम करने को कहा था, तो इसमें अपराध कहां से हो गया। पूर्व डिप्टी सीएम के वकील ने कहा कि डिस्ट्रीब्यूटर मार्जिन पर कोई कैप नहीं था, जिसको कम करके 12: किया गया। प्रॉफिट मार्जिन पर 12: का कैप लगाया गया, 5: न्यूनतम कैप था। रवि धवन ब्यूरोक्रेट है, वो कोई भारत के राष्ट्रपति नहीं हैं। रवि धवन के कई सुझावों को हमने शामिल किया, कुछ को हमने स्वीकार नहीं भी किया। इससे पहले सोमवार को दिल्ली की एक विशेष अदालत ने इस मामले में सीबीआई और ईडी की ओर से दायर भ्रष्टाचार और धनशोधन मामलों में मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत अवधि बढ़ा दी थी। सीबीआई मामले में सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 27 अप्रैल तक और ईडी मामले में 29 अप्रैल तक बढ़ा दी गई थी। मनीष सिसोदिया को 26 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था।

भैया हेलमेट कहां है, नही तो भरो जुर्माना

लखनऊ । पुलिस हेलमेट न पहनने के लिए लोगों का चालान काटती है लेकिन गाजियाबाद में दो बेटियों ने खाकी की दे दी सीख, करोगे गलत तो भरोगे। सोशल मीडिया पर अब एक ऐसा वीडियो सामने आया है जब बगैर हेलमेट पहने बाइक पर सवार दो पुलिसवाले ही भागते नजर आ रहेहैं। वीडियो उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद का है। इस वीडियो में नजर आता है कि बगैर हेलमेट पहने दो पुलिसवाले बाइक पर जा रहेहैं। स्कूटी पर सवार दो लड़कियां पीछे से आती हैं और उनसे हेलमेट के बारे में पूछने लगती है और रोकने की कोशिश करती हैं।

मुस्लिमों को टिकट देने में सपा से निकली आगे

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव के पहले चरण के लिए चुनावी बिसात बिछ गई है तथा अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पूर्व निकाय चुनाव में विभिन्न राजनीतिक दलों का प्रदर्शन काफी कुछ सियासी संकेत देगा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने ऐसा दांव चला है कि जिसने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और खास तौर पर समाजवादी पार्ट (सपा) के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है। बसपा मुस्लिमों को टिकट देने के मामले में सपा पर भारी पड़ी है। नगर निगम चुनाव और लोकसभा चुनाव की परिस्थितियां और मुद्दे बिल्कुल अलग-अलग होते हैं, लेकिन जो दल इन चुनावों में बढ़त बनाने में सफल रहेगा वह सियासी 'माइंड गेम के सहारे वोटरों पर काफी हद तक मनोवैज्ञानिक दबाव डालने में सफल रहेगा। वैसे तो कई निकाय चुनावों में भाजपा और सपा के बीच ही मुख्य मुकाबला देखने को मिलता था, लेकिन इस बार बसपा ने बड़ी संख्या में मुस्लिम प्रत्याशियों को उतार कर सपा के मुस्लिम वोट बैंक में सेंधमारी की जबर्दस्त तैयारी की है, जबकि एक समय वह भी था जब बसपा निकाय चुनाव अपने सिम्बल तक पर नहीं लड़ती थी, परंतु इस बार उसने निकाय चुनाव में दबदबा बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। बसपा ने ऐसा दांव चला है जिसने भाजपा और खास तौर पर सपा के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है। सपा यादव-मुस्लिमों के मजबूत वोट बैंक के सहारे चुनाव लड़ती और जीतती है, लेकिन बसपा इसमें से मुस्लिम वोटों पर अक्सर डोरे डालने में कामयाब हो जाती है। यही काम बसपा इस बार भी जोरशोर से करने जा रही है। बसपा ने प्रथम चरण के चुनाव जो 04 मई को होने हैं इसमें 60 प्रतिशत मुस्लिम उम्मीदवारों पर दांव लगाकर सपा की राह में कांटे खड़े कर सकती है। बसपा हालांकि इससे इंकार कर रही हैं। ऐसा माना जा रहा है कि मुस्लिमों ने सपा के साथ रह कर देख लिया है उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ। इसलिए उनका बसपा की तरफ झुकाव बढ़ रहा है। हाल ही में सम्पन्न लोकसभा के उप-चुनाव में यह बात साबित भी हो चुकी थी। आजमगढ़ में बसपा ने अच्छे खासे मुस्लिम वोट पाए थे, भले ही बसपा जीत नहीं पाई थी, लेकिन सपा को भी हार का सामना करना पड़ा था। जानकार भी कह रहे हैं कि बसपा का समीकरण ही सबसे हिट है। नगर निकाय चुनाव में बसपा ने पहले चरण में महापौर पद के लिए 60 प्रतिशत टिकट मुस्लिम उम्मीदवारों को दिए हैं। नामांकन पत्र भरने का सोमवार (17 अप्रैल) को अंतिम दिन था। इस दिन बड़ी संख्या में पर्चे भरे गए। 10 नगर निगमों में महापौर पद के लिए आखिरी दिन 93 उम्मीदवारों ने पर्चे दाखिल किए, जबकि पार्षद पद पर 4,092 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र भरे। इसके बाद यह साफहो गया कि बसपा ने बड़ी संख्या में मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने अपनी मंशा स्पष्ट जता दी है कि वह मुस्लिम-दलित समीकरण पर मजबूती से काम करेंगी। पार्टी को उम्मीद है कि यदि दलित और मुस्लिम वोटर साथ आ गए तो कई सीटों पर बसपा की नैया पार लग सकती है। तमाम सीटों पर मंथन के बाद बसपा ने पहले चरण के नामांकन पत्र भरने के अंतिम दिन महापौर पद के प्रत्याशियों की सूची जारी की।

हेरिटेज वॉक, यूपी पुरातत्व विभाग ने स्टूडेंट्स को घुमाई छत्तर मंजिल

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ में मंगलवार को विश्व धरोहर दिवस के मौके पर यूपी राज्य पुरातत्व विभाग की ओर से छत्तर मंजिल स्थित प्रशासकीय भवन में फोटो एग्जिबिशन और ड्राइंग कॉम्पिटिशन अयोजित किया गया। कार्यक्रम में चंद्र भाल मिश्रा चीफगेस्ट रहे। फोटो एग्जिबिशन में यूनेस्को के वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल 40 भारतीय स्मारकों,स्थलों की लाजवाब तस्वीरें देखने को मिलीं। साथ ही इसमें यूपी राज्य के सभी संरक्षित स्मारकों,स्थलों को भी शमिल किया गया। इनमें सिद्धार्थनगर के प्राचीन स्तूप से लेकर मथुरा की गोवर्धन छतरियां देखने को मिलीं। इसी विषय पर हुए ड्राइंग कॉम्पिटीशन में महिला महाविद्यालय लखनऊ की प्रियंका को पहला, नारी शिक्षा निकेतन की श्रीजल अग्रवाल को दूसरा और नगर निगम डिग्री कॉलेज की रागिनी सिंह को तीसरा पुरस्कार मिला। इस दौरान चीफगेस्ट मिश्रा ने भारत के अमूल्य विरासतों के विषय में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, अभी तक पूरी दुनिया में लगभग 1154 स्थलों को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया जा चुका है। भारत में 40 महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों/स्मारकों को विश्व धरोहर की स्मारकों की सूची में रखा गया है। जिसमें यूपी के तीन स्मारक ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी शामिल हैं। प्राचीन भारतीय संस्कृति को जानने के लिए ऐतिहासिक इमारतों की संरक्षा करना जरूरी है। इसके बाद स्टूडेंट्स को हेरिटेज वॉक कराई गई। जिसमें नारी शिक्षा निकेतन पीजी कॉलेज, महिला महाविद्यालय, अटल बिहारी बाजपयी डिग्री कॉलेज के लगभग 100 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। सभी को डॉ. कृष्ण मोहन डूबे, राहुल यादव, देवेंद्र प्रताप सिंह और प्रकाश अंबेडकर ने छत्तर मंजिल और फहत बक्श पैलेस का टूर कराया। इस दौरान डॉ. कृष्ण मोहन ने स्टूडेंट्स को बताया, 1857 की गदर में इस कोठी का बहुत योगदान रहा। बेगम हजरत महल यहीं से अंग्रेजों के खिलाफ रणनीति बनाती थीं। आजादी के बाद इसे सीडीआरआई को दे दिया गया था। वर्तमान में ये यूपी राज्य पुरातत्व विभाग के अंतर्गत है।फ इसके अलावा उन्होंने स्टूडेंट्स को कैसरबाग हेरिटेज जोन के बारे में भी बताया। इन ऐतिहासिक इमारतों को स्टूडेंट्स ने काफी रोचक तरीके से घुमा।

'संयुक्त राष्ट्र बाल कोष' द्वारा कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ (यूएनएस)। डॉ शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के प्रथम तल पर स्थित सभागार में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग यूपी एवं यूनीसेफ के संयुक्त तत्वावधान में ''समावेशी शिक्षा का सम्मिलित दृष्टिकोण'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के सभी विभागों के लगभग 100 प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। अपने-अपने विभाग में दिव्यांग बच्चों हेतु चलाई विभिन्न कार्य योजनाओं के बारे में यूनीसेफ के प्रतिनिधियों एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के समक्ष प्रस्तुतीकरण दिया। इस अवसर पर नाईजीरिया से यूनीसेफप्रमुख के रूप में पधारे हुए डॉ. जकारी अदम ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में कहा यूनीसेफका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है । प्रत्येक बच्चा पूर्ण विकसित होने तक अपने अस्तित्व, विकास में भागीदारी और सुरक्षा के अधिकारों का आनंद लेने में सक्षम बन सके। सतत विकास के लक्ष्यों को बाल अधिकारों के प्रति के प्रसि के बिना हासिल नही किया जा सकता। दिव्यांगजन सशक्तीकरण के विशेष सचिव अजीत कुमार ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में अवगत कराते हुए कहा दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान योजना, कृत्रिम अंग सहायक उपकरण योजना, राज्य सरकार सड़क परिवहन निगम की बसों में नि:शुल्क बस यात्रा की सुविधा योजना, राज्य स्तरीय पुरस्कार योजना, नि:शुल्क चिकित्सा अनुदान योजना, बचपन डे-केयर सेन्टर योजना, विशेष विद्यालय, डिजिटल नवाचार एवं दिव्यांगजनों को न्याय दिलाने के लिए डिसीबेलीटी कोर्ट (दिव्यांग न्यायालय) की स्थापना प्रमुख योजनाये है। इस अवसर पर डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो राणा कृष्ण पाल सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में डॉ शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक योगदान को रेखांकित किया। शिक्षा के क्षेत्र में एशिया में अपना महात्वपूर्ण स्थान बना चुके, इस संस्थान में 50 प्रतिशत सीटें दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित हैं। इन आरक्षित सीटों का 50 प्रतिशत यानी कुल सीटों का 25 प्रतिशत नेत्रहीनों के लिए आरक्षित है। इतना ही नहीं राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटनशिप प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विधार्थियों ने 5 कांस्य मेडल प्राप्त किया है। इस कार्यक्रम का संचालन यूनीसेफउत्तर प्रदेश की समाजिक सुरक्षा विशेषज्ञ पियूष एंटोनी द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. अमित कुमार राय, अधिष्ठाता विशेष शिक्षा प्रो आरआर सिंह, उप कुलसचिव अनिल मिश्रा, एम जिशान, क्रांति कुमार, रोहिताश थपलियाल, नीलम सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। लड़कियां स्कूटी से पीछा करते हुए वीडियो भी मोबाइल कैमरे से शूट कर रही थीं। इसे देख इन पुलिसवालों ने बचने के लिए अपनी बाइक तेज कर दी। हूटर और सायरन भी बजाने लगे।

छात्र ने दरोगा पर लगाया बंधक बनाने का आरोप

उन्नाव (यूएनएस)। जिले में एक छात्र ने दरोगा पर कमरे में बंधक बनाने का आरोप लगाया है। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के कुमेरखेडा गांव निवासी ने बेटी के लापता होने पर दीनाखेडा गांव निवासी छात्र पर मामला दर्ज कराया था। किशोरी के वापस आने पर पुलिस ने कोर्ट में बयान दर्ज कराया। बयान में किशोरी ने बुआ के बेटे संग जाने की बात कही। पीडति छात्र ने एसपी को शिकायती पत्र देकर थाने के दरोगा पर आरोप लगाया कि पुलिस ने उसे इस मामले में तीन दिन तक बंधक बनाए रखा। इस कारण उसकी परीक्षा छूट गई। छोड़ने के लिए मां से 35 हजार रुपये वसूले। मां ने जेवर बेचकर पैसे दिए। दीनाखेडा गांव के अरविंद कुमार ने एसपी को बताया कि वह बीए फर्स्ट ईयर का छात्र है। आर्थिक तंगी के चलते मजदूरी कर परिजनों का पेट पालता है। 12 फरवरी को गांव से एक किशोरी लापता हो गई थी। किशोरी के पिता ने अरविंद को नामजद करते हुए तहरीर दी। 13 फरवरी को बेहटा मुजावर के दरोगा रोहित पांडे ने फोनकर उसे थाने बुलाया। थाने पहुंचने पर दरोगा ने उससे किशोरी के संबंध में पूछा। उसने जानकारी होने से इनकार किया तो दरोगा ने अपने कमरे में उसे तीन दिन बंद रखा। उसका उत्पीडन करने के बाद छोडने के एवज में रुपये की मांग की। जेल जाने के डर से मां ने जेवर बेचकर 35 हजार रुपये जुटाए। दरोगा ने 15 दिन गांव छोडकर कहीं न जाने की सख्त हिदायत दी।

निकाय चुनाव: नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार का करेंगे खात्मा:आप

लखनऊ (यूएनएस)। नगर निकाय चुनाव को लेकर आप उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता पिछले 1 वर्ष से लगातार नगर निगम, नगर पंचायत, नगर पालिका में जाकर आप की नीतियों से जनता को अवगत करा रहे थे जिसका परिणाम यह हुआ कि हमारी पार्टी को आज जनता का पूर्ण समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा आम आदमी पार्टी सभी नगर निगमों में चुनाव लड़ रही है और प्रथम चरण का नामांकन भी पूरा हो चुका है।सांसद संजय सिंह ने कहा कि हमारे सभी मेयर प्रत्याशी घोषित हो चुके हैं।संजय सिंह ने लखनऊ के मेयर प्रत्याशी और वार्ड के सभी पार्षद प्रत्याशियों के साथ बैठक कर चुनाव कैंपेन और क्षेत्र की मुख्य समस्याओं पर चर्चा कर चुनाव जीतने के गुरु मंत्र दिए। इस मौके पर मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वैभव महेश्वरी, लखनऊ से खड़ी मेयर प्रत्याशी अंजू भट्ट, निकाय चुनाव सदस्य ब्रज कुमारी सिंह, जिला अध्यक्ष शेखर दीक्षित, निवर्तमान प्रदेश महासचिव दिनेश पटेल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।सांसद संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी को जब दिल्ली की कमान सौंपी गई तब लोगों ने मजाक बनाया कि इतने से बजट में दिल्ली कैसे चलाओगे, तब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शिक्षा, स्वास्थ्य, यातायात, बिजली-पानी फ्री करके एवं वृद्धों को तीर्थ यात्रा पर निशुल्क भेज कर भी सबसे मुनाफे का बजट साबित करके दिखाया।

चुनावी समीकरण में सांसद संजय सिंह ने आप की ओर से जनता को दी जाने वाली सुविधाओं का विवरण देते हुए कहा कि अगर आम आदमी पार्टी जीतती है तो हाउस टैक्स हाफ और वाटर टैक्स माफ होगा।उन्होंने कहा अंजू भट्ट के मेयर बनते ही जनता से मेरा अनुरोध है कि वह अपना पहले का बचा हुआ हाउस टैक्स का बिल फाड़ के फेंक दें

क्योंकि उतना पूर्ण रूप से माफकर दिया जाएगा। सांसद सिंह ने कहा कि नगर निगम में अगर हमारी सरकार बनती है तो हमारा मोहल्ला क्लीनिक का मॉडल लखनऊ के 117 वार्डों में स्थापित किया जाएगा।उन्होंने कहा कि मोदी और योगी को मौका देने के बाद जनता को आम आदमी पार्टी को भी जरूर अवसर देना चाहिए क्योंकि यह शहर की गंदगी का मुद्दा है इसलिए इसको झाड़ू वालों को सौंप देना चाहिए।

सांसद संजय सिंह ने चुनावी वायदों की फेहरिस्त में शिक्षा के मॉडल का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस प्रकार हम ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों का नक्शा बदला, हम नगर निगमों के स्कूलों को ए ग्रेड का बनाकर दिखा देंगे जिसका वातावरण तो अच्छा होगा ही साथ ही बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए वहां का परीक्षा परिणाम भी लोगों को आश्चर्य में डाल देगा क्योंकि वह कान्वेंट से बेहतर होगा। सांसद संजय सिंह ने कहा कि रेहड़ी पटरी वालों के लिए बहुत सी समस्याएं हैं, अगर हम निकाय चुनाव में विजई होते हैं तो रेहड़ी पटरी वालों की सभी समस्याओं का समाधान करेंगे। उनसे जो अवैध वसूली की जा रही है उसको बंद करेंगे, जैसे वर्तमान में उनको मारकर उनकी जगहों से भगाया जाता है तो इन सभी चीजों पर हम रोक लगाकर उनके जीवन में आसानी पैदा करेंगे। व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करेंगे और सभी जानते हैं कि उनको पिछले काफी समय से जीएसटी और अवैध वसूली के आधार पर पीड़ित किया जा रहा। पार्कों के सौंदर्यीकरण को लेकर सांसद संजय सिंह ने जनता से वादा किया और साथ ही आवारा पशुओं की समस्याओं से छुटकारा दिलाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध दिखे। उन्होंने कहा कि हम अपने सभी आप पदाधिकारियों के साथ आज ही से चुनावी रणनीति बनाएंगे जिसमें विशेष रूप से हम डोर टू डोर चुनाव प्रचार करेंगे। लखनऊ के 117 वार्डों में हम डोर टू डोर प्रचार के तहत घर घर जाएंगे लोगों से मिलेंगे उनकी समस्याओं को जानेंगे। वोटर्स तक पहुंचने के लिए हम नुक्कड़ सभाएं, जनसभाएं और रोड शो के कार्यक्रम करेंगे।

निकाय चुनाव में 7678 पदों के लिए 54,153 नामांकन, नाम वापसी के बाद साफ होगी तस्वीर

लखनऊ। पहले चरण के नगरीय निकाय चुनाव के लिए कुल 7678 पदों के लिए 54,153 नामांकन हुए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को 390 नगरीय निकायों में हुए नामांकन का अंतिम आंकड़ा जारी कर दिया। हालांकि, प्रत्याशियों की असली तस्वीर 20 अप्रैल को नाम वापसी के बाद साफ होगी।

पहले चरण का चुनाव 37 जिलों की कुल 390 नगरीय निकायों व उनके 7288 वार्डों में हो रहा है। इनमें 10 नगर निगम, 104 नगर पालिका व 276 नगर पंचायतें शामिल हैं। वैसे तो इस चरण का नामांकन सोमवार को ही खत्म हो चुका है, किंतु राज्य निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को जिलेवार नामांकन के अंतिम आंकड़े जारी किए।

10 मेयर पद के लिए 142 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। सर्वाधिक 29 नामांकन प्रयागराज नगर निगम में मेयर पद के लिए हुए हैं। सबसे कम झांसी व सहारनपुर में 10-10 उम्मीदवार मैदान में हैं। नगर निगमों के 830 वार्डों में कुल 6926 नामांकन हुए हैं। नगर पालिका अध्यक्ष के 104 पदों के लिए 1612 नामांकन हुए हैं। बिजनौर की नगर पालिकाओं में सर्वाधिक 199 नामांकन हुए हैं। नगर पालिका के 2776 वार्डों के लिए 17357 नामांकन हुए हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष के 276 पदों के लिए 4398 व सदस्यों के 3682 पदों के लिए 23718 नामांकन हुए हैं।

वहीं, नामांकन पत्रों की जांच का काम मंगलवार को देर रात तक चलता रहा। आयोग नामांकन निरस्त होने की सूचना एकत्र करने में लगा रहा। बुधवार को ही सभी जिलों की सूचना आयोग के पास आएगी। दूसरे चरण के निकाय चुनाव के लिए मंगलवार को 515 नामांकन हुए। 38 जिलों की 370 नगरीय निकायों के 7006 पदों के चुनाव दूसरे चरण में हो रहे हैं। इनमें सात नगर निगम, 95 नगर पालिका परिषद व 268 नगर पंचायत शामिल हैं। मेयर के लिए मंगलवार को एक, पार्षद के लिए 21, नगर पालिका अध्यक्ष के लिए आठ, सदस्यों के लिए 173 एवं नगर पंचायत अध्यक्ष के लिए 29 व सदस्यों के लिए 283 नामांकन हुए हैं। दूसरे चरण के नामांकन 24 अप्रैल तक होंगे।

मंडलायुक्त ने अफसरों से किया संवाद, दिए अफसरों को निर्देश

लखनऊ (यूएनएस)। डॉ रोशन जैकब ने लखीमपुर-खीरी डीएम महेंद्र बहादुर सिंह सीडीओ अनिल कुमार सिंह की मौजूदगी मे ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी समस्याओं को लेकर अफसरों संग विकास भवन सभागार में संवाद किया। मंडलायुक्त लखनऊ मंडल ने अफसरों से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली, पेयजल, राजकीय ट्यूबवेल की क्रिया शीलता सहित अन्य जरूरी एवं मुकम्मल व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराए जाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। साथ ही निर्देश दिए बिजली आपूर्ति, खराब ट्रांसफार्मर को निर्धारित समय अवधि में परिवर्तन हो।

जनमानस से जुड़े महत्वपूर्ण एवं गंभीर विषयों पर त्वरित रिस्पॉन्ड करके राहत पहुंचाएं। सभी अधिकारियों को निर्देश दिए उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के दौरान निवशकों के एमओयू हस्ताक्षर के उपरांत निवेशकों के प्रस्ताव को धरातल पर उतारने के लिए कहा। निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के संबंध में निवेशकों को विभिन्न विभागों से एनओसी लाइसेंस प्रदान कराने, निवेशकों को भूमि आवंटन, बैंकों से ऋण उपलब्ध कराने एवं उद्योग स्थापना में आने वाली सभी समस्याओं के निस्तारण को धरातल पर उतारने के लिए संबंधित लोग त्वरित कार्रवाई प्रारंभ कर दें। संवाद के दौरान सीडीओ अनिल सिंह, उपायुक्त उद्योग संजय सिंह, डीडीओ अरविंद कुमार, एसडीएम श्रद्धा सिंह समेत बड़ी संख्या में निवेशक उद्यमी मौजूद रहे।

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा राज तरुण ऑफसेट, एल.जी.एफ. 4-5, अंसल सिटी सेन्टर, निकट यू. पी. प्रेस क्लब, हज़रतगंज, लखनऊ से मुद्रित तथा 499/1, विनय विहार कालोनी, इन्दिरा नगर, निकट-बी.आर. इंटरनेशनल स्कूल, पो. सीमैप, लखनऊ-226015 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी
कार्यकारी सम्पादक
डॉ. एस.के.गोपाल
प्रबंध सम्पादक
होमेन्द्र कुमार मिश्र
विशेष संवाददाता
सुनील कुमार सिंह
संवाददाता
जादूगर सुरेश कुमार
सम्पर्क : 9451532641, 8765919255

ईमेल :janveenanews@gmail.com

RNI No. UPHIN/2011/43668

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।